

18/11/24

पत्रावली पेश हुयी अधिवक्ता उभयपक्ष उपर।
प्रकरण में दिनांक 13/05/02 को अपेक्षित अधिकांश मांग
ले मिलेय पारित हो चुका है। तत्पश्चात पत्रावली
में RAA ले प्रकृत दिनांक विषय गणना, निष्कर्ष
अपील मानवीय बालक मंडल में हीन पर प्रकृत।

3/2 RAA द्वारा किया गया निर्णय बहाल रखा गया
RAA द्वारा किया गया निर्णय दिनांक 27.6.2004
के पुनर्रथ रिपोर्ट किया गया था, परंतु परामर्श
द्वारा दिनांक को शीघ्रता पेश किया

गया जिले तत्कालीन उपखंड अधिकारी द्वारा
वर्षीय भी किया गया परंतु साक्ष्य पत्र
के अंतर्गत निदेश दिए गए पुनर्रथ

साक्ष्य PW1 व PW2 प्रत्यक्ष की जा चुकी है,
जिसका नाम खाली ले डिलीट होना है अतः

शीघ्रता एवं साक्ष्य के संदर्भ प्रकट की है
मुलाखिउत संदर्भ एवं शीघ्रता वाद स्वीकार

किया जाकर निर्णय दिनांक 13/05/2002 के
मुलाखिउत प्राथमिक विज्ञापन पत्र पुनः जारी
किया जाता है विद्वृत निर्णय प्रथम ले लिखकर

शीघ्रता पत्रावली किया गया निर्णय संदर्भ संज्ञान
पत्रावली पुनः पत्रावली वाद

विज्ञापन प्रस्ताव दिनांक 28/11/2011 को पेश है

पुनश्च! अधिवक्ता कारि एवं प्रतिवादीगण ने
मुलाखिउत शीघ्रता अंतर्गत ही जारी करने की
आवेदन की, मुलाखिउत शीघ्रता अंतर्गत ही

उत्तराखण्ड कायदा मय इनांशबल्स जज

पत्नी की पत्नी ही निजम ले अंशगत
पुत्र पुत्रात् अन्तः पुत्रावली अन्तः पुत्रात्
ही नम्बर है फन ही

(अंजना सहपावत)
उपखण्ड अधिकारी अन्तः
शिला बारा (राजप)